major cliangc and we are keeping ourselves fully in touch with the changes. I need not go into those details. But we are trying to formulate our policy which is in our interests and in the interest of peace and progress.

SHRi JOACHIM ALVA : ls the hon. I Minister aware thai .lapah right now is investing more than IOO million dollars in Ceylon knowing them to be a leftist Government there ? Why is it that her attitude j towards India is somewhat different ?

SARDAR SWARAN SLNGH : 1 do not | think that they are treating India with any j sp;;ia! indifference or discrimination. Each j country has to see which is in its best interests. We arc happy il" they are trying to invest or participate in the economic development of our friendly neighbour, Sri Lanka. It is a matter of great satisfaction to us and it should be so to all of us.

SHRl HARSH DEO MALAVIYA : In view of the fact that Japan has declared its intention to contribute to the development of the devastated Republic of North Viet-nam and also in view of the fact that the Government of India has also declared its policy and willingness to co-opera!c in the development of destroyed Vietnam, is there a possibility of co-operation between the Governments of India and Japan in the rebuilding of the war-devastated Vietnam ?

SARDAR SWARAN SlNGH : May be that the role of Japan and India maygbe complementary. A great deal depends on what North Vietnam wants.

MR. CHAIRMAN : That does not arise out of this. Next question.

भारतीय युद्ध बन्दियों के साथ किया गया व्यवहार

*380. **श्री प्रेम मनोहर :**
श्री डी० के० पटेल :
श्री ना० कृ० शेजवलकर :
श्री मान सिंह वर्मा :†
डा० भाई महावीर :
श्री दत्तोपन्त ठेंगडी :

क्या **रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पाकिस्तान द्वारा मुक्त किए गए युद्ध बंदियों ने वहां उनके साथ किए गए व्यवहार के संबंध में शिकायत की है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, उस पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है और इस संबंध में उसकी क्या प्रतिक्रिया है ?

TNF.VTMENT METED OUT ro KDIAM PRISONERS

»380. SHRl PREM MANOHAR : SHRl D. K. PATEL : SHRI N. K. SHEJWALKAR : SHRl MAN SINGH VARMA : DR. BHAI MAHAVIR* : SHRI D. THENGAR1 : Will the Minister of DFFENCE be pleased to state :

(a) whether Ihe prisoners of war released by Pakistan have complained against the treaiment meted out to them there; and

(b) if so, the details thereof, and action taken by Government thereon and its reaction therelo ?J

रक्षा मंत्रालय (रक्षा उत्पादन) में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) और (ख) पाकिस्तान से वापस भेजे गए कुछ भारतीय कार्मिकों ने पाकिस्तानी हिरासत में रहते हुए अपने साथ दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत की है रैडक्रास की अन्तर्राष्ट्रीय समिति द्वारा विरोध प्रकट करने के लिए इन व्यानों का अध्ययन किया जा रहा है और इनकी जांच की जा रही है।

†The question was actually asked on ihe floor of the House by Shri Man Singh Varma.

Il) English translation.

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) and(b) Some Indian personnel repatriated from Pakistan have complained of ill-treatment while they were in custody. These statements are being studied and checked with a view to lodging a protest through the International Committee of Red Cross.]

श्री भान सिंह वर्मा : श्रीमन्, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जिनेवा कंवेशन के जितने नियम है, भारत ने उन नियमों का पूर्णतया पालन किया है। तो मैं जानना चाहता हूं कि क्या पाकिस्तान ने भी उन नियमों का पालन किया है? दूसरी चीज यह है कि पाकिस्तान के जो युद्धबंदी यहां पर हैं, हमारी तरफ से उनके साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया जा रहा है, जैसा कि मेरी जानकारी में है। यहां तक कि उनको चारपाइयां भी दी गयी हैं और जिस प्रकार के आराम की उनको आवश्यकता है वह सब दिया जा रहा है तो क्या हमारे कैदियों को भी उसी प्रकार की सुविधायें पाकिस्तान में मिल रही है?

श्री विद्या चरण शुक्ल : जब हमारे कैदी वहां थे तब उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया था और उसकी शिकायतें है और उसके बारे में माननीय सदस्य ने प्रश्न पूछा है और जैसा कि मैंने अपने मूल उत्तर में कहा, हम उसका अध्ययन कर रहे है और उसके बाद रेडक्रास की जो अंतर्राष्ट्रीय समिति है उसके साथ इस प्रश्न को उठायेंगे और जहां तक कि हमारे पास जो पाकिस्तानी कैदी है उनका सवाल है, उनके साथ तो हम नियमों के अनुसार व्यवहार कर रहे हैं, लेकिन हमारे कैदियों की जो शिकायतें आयी है, वह यह है कि जो अंतर्राष्ट्रीय जिनेवा कंवेंशन है उसके अनुसार उनके साथ व्यवहार नहीं किया गया है और इसकी जांच की जा रही है।

श्री भान सिंह वर्मा : माननीय मंत्री जी को याद होगा कि रेड क्रास रिपोर्ट के कुछ अंशों को लेकर पाकिस्तान ने विदेशों में, अनेक देशों में हमारी इमेज को धूमिल करने का प्रयत्न किया और गलत प्रचार किया उसको रोकने के लिए या अपनी इमेज को ठीक प्रकार से विदेशों में बनाये रखने के लिए हमारी तरफ से क्या प्रचार किया गया?

श्री विद्या चरण शुक्ल : हमने अपने सही तथ्य प्रस्तुत किये और न केवल हमने ऐसी जगहों में वह किया जहां कि पाकिस्तान ने अपना कुप्रचार करने का प्रयत्न किया था बल्कि जो इंटरनेशनल सोसाइटी रेडक्रास की है उसको भी बताया कि जो इस प्रकार के तथ्य उन्होंने प्रस्तुत किये थे, उसमें कुछ गलतियां थी, खामियां थी और उनको सुधारा गया और उसके बाद जो गलत ढंग का प्रचार हमारे खिलाफ किया गया था उसमें काफी सुधार हुआ और उसका जो असर फैलाया गया था वह असर भी बहुत कुछ कम हुआ और खत्म हुआ।

डा० भाई महावीर : पिछले दिनों समाचार पत्रों में यह खबर छपती रही कि हमारे हिसाब से जितने हमारे कैदी पाकिस्तान के कब्जे में है, पाकिस्तान उतने कैदी उसके पास है यह नहीं मानता, यानी मुझे ठीक आंकड़े तो इस समय स्मरण नहीं, लेकिन कैदियों की तादाद में कुछ अंतर है जिनको पाकिस्तान अपने पास होना नहीं मानता, लेकिन हमारे हिसाब से वह उसके पास होने चाहिए। यदि इस प्रकार का अंतर सरकार के ध्यान में है तो क्या इसके बारे में कोई जांच सरकार ने स्वयं या रेड क्रास के द्वारा करायी और जो प्रश्न में दुर्व्यवहार की बात कही गयी है उसमें कहीं यह शिकायत भी आपके सामने आयी है कि किसी का जान बूझ कर अंग भंग किया गया, किसी के हाथ काटे गये या आंखें निकाली गयी, क्योंकि इस तरह के समाचार पत्रों में छपे हैं कि पाकिस्तान में युद्ध बंदियों के साथ इस तरह की वीभत्स कार्यवाही भी की गयी है?

श्री विद्या चरण शुक्ल : आंकड़ों में कुछ अन्तर अवश्य है, जिनको हम मिसिंग मानते है, लापता, उनके बारे में हम ने पूछ ताछ की है, लेकिन सीधे पूछताछ की गयी, कुछ एम्बेसी के द्वारा

†[ ] English translation.

या इंटरनेशनल कमेटी ग्राफ रेडक्रास के द्वारा, लेकिन यह हर दम कहा गया पाकिस्तान के द्वारा कि उनके पास कोई युद्ध बंदी मौजूद नहीं है जितने थे उन्होंने सब यहां पर वापस भेज दिये हैं।

डा० भाई महावीर : तादाद का कितना अंतर है।

श्री विद्या चरण शुक्ल : ठीक से याद नहीं है, लेकिन बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। आप चाहेंगे तो मैं तादाद सदन के पटल पर रख दूंगा। एक प्रश्न जो अंग भंग इत्यादि के बारे में आपने पूछा इस तरह की शिकायत हमारे युद्ध के कैदियों के द्वारा भी नहीं की गयी, लेकिन यह जरूर था कि उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया, उनको टार्चर किया गया और इस तरह की शिकायतें जरूर आयी हैं। लेकिन अंग भंग की कोई शिकायत नहीं आयी।

श्री ए० पी० जैन : अभी पहले रेड क्रास सोसाइटी की तरफ से खबर छपी थी कि पाकिस्तानी बंदियों के साथ बड़ी सख्ती की गयी और एक बात यह कही गयी कि उनके नाखूनों में कीलें ठोंकी गयीं। इस संबंध में मैं पूछना चाहता हूं कि यह जो चार्ज था कि नाखूनों में कीलें ठोंकी गयीं और उनको टार्चर किया गया उस के बारे में गवर्नमेंट ने क्या किया? क्या इस मामले को पाकिस्तान से उठाया गया या रेड क्रास सोसाइटी से उठाया गया और उसका क्या नतीजा निकला?

श्री विद्या चरण शुक्ल : जो इस प्रकार की बातें किसी ने भी कही हैं वह सरासर गलत है। इस तरह का कोई दुर्व्यवहार जो पाकिस्तानी कैदी भारत की हिरासत में हैं, उनके साथ नहीं किया गया और जो बातें ऐसी उड़ायी गयी हैं वह गलत हैं और उनके पीछे कोई मानसिक दुर्भावना है कि जिसके कारण यह गलत खबरें फैलायी गयी हैं।

श्री ए० पी० जैन : यह मेरे सवाल का जवाब है क्या? यह मजाक कर रहे हैं। यह रेड क्रास की तरफ से एक खबर यह छपी थी कहा जाता है कि उनकी रिपोर्ट को और इस्लामाबाद से निकाला गया था, उसमें लिखा था कि हिन्दुस्तान में जो पाकिस्तान के कैदी हैं उनको टार्चर किया गया और उनके नाखूनों में कीलें ठोंकी गयीं।

श्री सभापति : वह कहते हैं कि यह गलत है।

श्री ए० पी० जैन : मैंने उनसे यह नहीं पूछा कि खबर गलत है यह ठीक है, लेकिन उस के बारे में आपने क्या कार्यवाही की यह मैं जानना चाहता हूं? पाकिस्तान के साथ आपने क्या कार्यवाही की?

श्री विद्या चरण शुक्ल : मैंने यह कहा था कि जो इस तरह की रिपोर्ट निकली थी उसका हम ने खंडन किया। जो अन्तर्राष्ट्रीय समिति है रेड क्रास की उसके साथ यह मामला उठाया गया और उनको सही तथ्य बताये गये। उन के आदमी आये और उन्होंने जांच पड़ताल की और जो-जो आरोप लगाये गये थे वह असत्य पाये गये और गलत पाये गये।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आपने यह कहा कि हिन्दुस्तान में जो कैदी आये पाकिस्तान से उनकी शिकायतों को रेड क्रास को भेजने के पहले उनकी जांच की जा रही है। इस प्रकार की घटनायें जो हिन्दुस्तान में पाकिस्तानी कैदियों के साथ घटीं थीं तो उनके लिये पाकिस्तान ने तुरन्त रेड क्रास से शिकायत की, लेकिन आज आप कह रहे हैं कि उनके वक्तव्य की जांच हो रही है। तो इसलिए जो आप विलम्ब कर रहे हैं उसमें कब तो आपने उनका वक्तव्य लिया और कब तक उसके लिए जांच चलती रहेगी, तो यह जो आप विलम्ब कर रहे हैं उसके चलते आप अपना केस खराब कर रहे हैं और जो अंग भंग किये गये हैं उनको एक गंभीर घटना होने के बाद भी आज तक आप ने उनके लिए शिकायत क्यों नहीं की।

श्री विद्या चरण शुक्ल : माननीय सदस्य का यह कथन गलत है कि पाकिस्तानी कैदियों के साथ कोई दुर्व्यवहार भारतवर्ष में हुआ

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैंने यह नहीं कहा। मैंने कहा कि पाकिस्तान तुरन्त अन्तर्राष्ट्रीय रेड क्रास समिति को शिकायत करता रहा है। हम उसमें क्यों डिले कर रहे हैं, यह एक सवाल है।

श्री विद्या चरण शुक्ल : आपने कहा कि जब भी ऐसी बात उन के साथ हुई तो पाकिस्तान वालों ने तुरन्त उसके बारे में प्रोटेस्ट कर दिया और हम लोगों ने नहीं किया। यह बात मैं पहले से कहना चाहता हूं कि ऐसा कोई दुर्व्यवहार पाकिस्तान के कैदियों के साथ भारत में हुआ ही नहीं। जो पाकिस्तान ने शिकायत की है वह कपोलकल्पित रूप से शिकायत की गयी है कि ऐसा दुर्व्यवहार हमारे यहां उनके साथ हुआ। जहां तक हमारे कैदियों के साथ दुर्व्यवहार का सवाल है हम चाहते हैं कि हम ऐसे तथ्य और चीजें पेश करें और ऐसी एवीडेंस पेश करें अन्तर्राष्ट्रीय समिति को जिसका कि कोई खण्डन न कर सके और वह चीज प्रूव हो सके। इस के लिए तथ्य इकट्ठे करना चाहते है और ऐसे ही कोई गैर जिम्मेदारी से हम कोई बात नहीं कहना चाहते। उसके लिए हम तैयारी कर रहे हैं ताकि ढंग से उस चीज को पेश किया जा सके।

श्री पीताम्बर दास : प्वाइंट यह नहीं था। प्वाइंट सीधा यह है कि कपोलकल्पित होने के बावजूद भी पाकिस्तान ने प्राम्प्टली रिऐक्ट किया और हम विचार कर रहे हैं। यह कैपैरिजन है। एलीगेशन सच हो या न हो प्रश्न यह नहीं है। In spite of the allegations being false, they promptly reacted. We have not promptly reacted. Why?

श्री विद्या चरण शुक्ल : माननीय सदस्य बात को अच्छी तरह समझ सकते हैं कि कपोल-कल्पित बातें तो जल्दी की जा सकती है, लेकिन सच्चाई पर आधारित चीजों में वक्त लगता है।

SHRI N. G. GORAY : Ever since the conflict between India and Pakistan started, Red Cross has been in the picture. Is the Government of the opinion now that as between two countries the Red Cross is not holding the scales even and Red Cross has been acting in a very partial manner, which it should not do ?

SHRl VIDYA CHARAN SHUKLA Sir, there was a little complaint of ihis kind against the previous representative of the International Red Cross. This gentleman has since been replaced, and a new representative of the International Committee has been posted, and he is acting in a fair manner and there is no such complaint against him.

* 154. [The questioner (Shri Sasanka-sekhar Siuival) was absent. For answer vide col. 32 infra.]

INDIAN DIGNITARY'S WIFE MAKING PURCHASES IN EUROFL

*3S1. SHRI NAWAL KISHORE :f
SHRI GANESHI LAL CHAUDHARY: SHRl BABUBHAI M. CH1NA1 : SHRl SASANKASEKHAR SANYAL: SHRI S. A. KHAJA MOHIDEEN SHRI BANARSI DAS : SHRIMATI S1TA DEVI ;

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to the report appearing in the Hindustan Times dated January 2. 1973 to the effect that the wife of a high dignitary while on an official visit to a European country made wide ranging purchases and did not pay her bills;

(b) if so, who is the person concerned, what is the amount involved and what action Government have taken against the person concerned; and

†Thequestion was actually asked on ihe floor of the House by Shri NawaJ Kishore.